



QP CODE: 25020007

25020007

Reg No :

Name :

**B.A DEGREE (CBCS)) REGULAR/ IMPROVEMENT/ REAPPEARANCE / MERCY
CHANCE EXAMINATIONS, FEBRUARY 2025**

Fourth Semester

B.A Sanskrit Language and Literature Model I Jyothisha

Core Course - SJ4CRT04 - PRASNAVICARAH

2017 Admission Onwards

530A62FB

Time: 3 Hours

Max. Marks : 80

Part A

*Answer any **ten** questions.*

*Each question carries **2** marks.*

1. लग्नेशे बालचन्द्रे प्रष्टुः कति वयः भवेत्?
2. पुरातनं पुण्यं केन भावेन चिन्त्यम्?
3. अङ्गकल्पनायां प्रष्टुः पादौ कस्मिन् भागे भवतः?
4. आविष्टे शत्रुस्थिते ग्रहे किं फलं प्रददाति?
5. स्त्रीग्रहाः के?
6. धने गुलिके किं फलम्?
7. कोपो राज्ञा राज्ञा जनन्या ' कस्य आनिष्टस्थितौ?
8. केतोः भावफलं कस्य ग्रहस्य समानं भवति?
9. पितृबन्धनयोगं निरूपयत।
10. गुरुणा कं देवम् उद्दिश्यते?
11. धर्मदेवबाधायाः लक्षणं किम्?
12. नागग्रहबाधितः कथं भवेत्?

(10×2=20)

Part B

*Answer any **six** questions.*

*Each question carries **5** marks.*

13. धैर्यं वीर्यं दुबुद्धिः।। पूरयत।





14. पूरयत - भावाधीशे च भावे सति बलरहिते।।
15. पूरयत - ताताश्चात्मप्रभावो द्युमणिरथ.....।।
16. नानालोकविदन्वितो दिनकरो।। पूरयत।
17. पूरयत - अयनक्षणवारर्तवो।।
18. पूरयत - भावे तदीशान्वितबांशके वा.....।।
19. देवस्वापहरणेन हेतुना देवकोपलक्षणं लिखत।
20. प्रेतस्य वयो निरूपणं स्पष्टयत।
21. पितृग्रहबाधितलक्षणं किम्?

(6×5=30)

Part C

Answer any **two** questions.

Each question carries **15** marks.

22. यद्यल्लगानागिभिश्चिन्त्यं तत्तत्त्वामिसमागते। आभयन्तरं भवेत्सर्वं विज्ञेयं बाह्यमन्यथा।। श्लोकस्याशयं सविस्तरं विवृणुत।
23. शुभाशुभग्रहाणां भावस्थितिफलं सप्रमाणं निरूपयत।
24. देवकोपलक्षणं शमनं च निबन्धयत।
25. बाधावेशदेशनिरूपणं विशदयत।

(2×15=30)

